23-08-2022

एनएसआई डायरेक्टर को उत्कृष्टता सम्मान मिला

ब्रीएनएन

कानपुर। नरेंद्र मोहन, निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर को चीनी कारखानों को जैव ऊर्जा और अन्य मूल्य वर्धित उत्पादों के हब में परिवर्तित करने एवं इथेनॉल सम्मिश्रण कार्यक्रम में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए, जिससे मिल मालिकों और किसान, दोनों को लाभ हुआ है, उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें पुरुषोत्तम रूपाला, केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री और कैलाश चौधरी, केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार द्वारा नई दिल्ली में प्रदान किया गया।

NSI director conferred 'Excellence Award'

PNS ■ KANPUR

Director, National Sugar Institute (NSI), Kanpur, Prof Narendra Mohan, was conferred "Excellence Award" for his exemplary contribution in Ethanol Blending Programme for converting sugar factories into hub of bio-energy and other value-added products which had benefitted both millers and farmers. The award was given to him by Union Minister of Fisheries, Animal Husbandry and Dairying Parshottam Rupala. Union Minister of State for Agriculture and Farmers' Welfare Kailash Choudhary was also present during the function at New Delhi.

Addressing presspersons on Friday, he said ethanol can be mixed with gasoline to form different blends as the ethanol molecule contained oxygen it allowed the engine to more completely burn the fuel resulting in fewer emissions and thereby reducing the occurrence of environmental pollution. He said it was important because it was a renewable fuel and had been blended in gasoline for the past over 40 years helping reduce vehicle emissions, improve air quality, increase our energy independence, lower consumer fuel prices and provide value-added markets for farmers.

NSI director Prof Narendra Mohan being conferred 'Excellence Award' by Union Cabinet Minister for Fisheries, Animal Husbandry and Dairying Parshottam Rupala.

Prof Mohan said ethanol was a biofuel naturally produced by the fermentation of sugars by yeasts or by petrochemical processes like ethylene hydration. He said ethanol was high in oxygen content and was also used for other purposes as well such as antiseptic, disinfectant and chemical and solvent synthesis of organic compounds. He said in India the nodal department for the promotion of fuel-grade ethanol-producing distilleries was the Department of Food and Public Distribution (DFPD) and it was produced or procured from sugarcane-based raw materials which were C & B heavy molasses, sugarcane juice, sugar syrup, surplus rice and maize.

He said currently India imported over 85 per cent of its oil requirement and ethanol blending could help in reducing dependency on petroleum. He said in 2020-21 the net import of petroleum in India was 185 million tonnes at US $ 551 billion and thus ethanol blending can help in saving billions of dollars for the country.

He said besides ethanol was a less polluting fuel and equally efficient at a lower cost than petrol and was considered renewable as it was a plant-based fuel.

He said just by mixing 20 per cent ethanol in petrol can potentially reduce the auto fuel import bill by a yearly Rs 30,000 crore.

समाचार सार

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन को उत्कृष्टता पुरस्कार से नवाजा गया

उत्कृष्टता पुरस्कार लेते एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन।

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन को उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रो. नरेंद्र मोहन ने चीनी कारखानों को जैव-ऊर्जा और अन्य मूल्य वर्धित उत्पादों के हब में परिवर्तित करने एवं इथेनाल सम्मिश्रण कार्यक्रम में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए दिया है, जिससे मिल मालिकों और किसानों दोनों को लाभ हुआ है। यह पुरस्कार उन्हे पुरुषोत्तम रूपाला, केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री और केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री कैलाश चौधरी (भारत सरकार) द्वारा दिल्ली में प्रदान किया गया।

एनएसआई निदेशक को उत्कृष्टता पुरस्कार

कानपुर। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन को उत्कृष्टता पुरस्कार से नवाजा गया है। यह पुरस्कार चीनी कारखानों को जैव ऊर्जा और अन्य मूल्यवर्धित उत्पादों के केंद्र के रूप में परवर्तित करने और इथेनॉल कार्यक्रम में अनुकरणीय योगदान के लिए दिया गया है। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवंडेयरी मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला और केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने गुरुवार को दिल्ली में प्रदान किया। (ब्यूरो)